भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1526

दिनांक 31.07.2026 को उत्तर के लिए नियत

उन्नत रसायन सेल विनिर्माण

1526. श्री जी. सी. चन्द्रशेखरः

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पीएलआई योजना के अतर्गत स्वीकृत उन्नत रसायन सेल विनिर्माण परियोजनाओं की कंपनी-वार प्रगति की स्थिति क्या है;

(ख) 30 जून, 2026 तक शुरू की गई विनिर्माण क्षमता कितनी है; और

(ग) क्या सरकार ने बैटरियों के आयात पर निर्भरता में आई कमी का आकलन किया है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख): भारी उद्योग मंत्रालय 18,100 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय से "राष्ट्रीय उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण कार्यक्रम" नामक उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश में 50 गीगावाट-घंटा की घरेलू उन्नत रसायन सेल (एसीसी) विनिर्माण क्षमता स्थापित करना है।

50 गीगावाट-घंटा की लक्षित विनिर्माण क्षमता में से 40 गीगावाट-घंटा क्षमता दो चरणों में आयोजित बोली प्रक्रिया के माध्यम से चार लाभार्थी कंपनियों को आवंटित की जा चुकी है। लाभार्थी-वार स्थिति निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**पीएलआई एसीसी स्कीम के अंतर्गत लाभार्थी कंपनियां**	**आवंटित क्षमता (गीगावाट-घंटा में)**	**संस्थापित क्षमता (गीगावाट-घंटा में)**	**निवेश* (करोड़ में)**	**प्रत्यक्ष रोजगार***
1.	एसीसी एनर्जी स्टोरेज प्राइवेट लिमिटेड	5	0	262	189

2.	ओला सेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड	20	1.4	1,846	731
3.	रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी स्टोरेज लिमिटेड	5	0	1,144	277
4.	रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड	10	0	2,018	95
	कुल	**40**	**1.4**	**5,270**	**1,292**

*दिनांक 30.06.2026 की स्थिति के अनुसार, लाभार्थी कंपनियों द्वारा यथासूचित।

(ग): पीएलआई एसीसी स्कीम का उद्देश्य स्वदेशी विनिर्माण क्षमता का विकास करना है, ताकि आयातित एसीसी पर निर्भरता को कम किया जा सके। हालांकि, वर्तमान में घरेलू मांग की पूर्ति मुख्यतः आयात के माध्यम से ही की जा रही है।

इस स्कीम ने भारत में सेल विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भारतीय सेल निर्माताओं को प्रोत्साहित करने हेतु उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है। पीएलआई एसीसी स्कीम के आवेदकों के अतिरिक्त, कम-से-कम 10 निर्माताओं ने देश में लगभग 178 गीगावाट-घंटा की संचयी विनिर्माण क्षमता स्थापित करने की घोषणा की है।

******